

ΕΠΙ ΤΟΙΣ ΠΑΝΑΙΣΙΟΙΣ ΚΑΙ ΠΑΝΟΛΒΙΟΙΣ
ΒΑΣΙΛΙΚΟΙΣ ΓΑΜΟΙΣ
ΤΟΥ ἈΥΤΟΚΡΑΤΟΡΙΚΟΥ ΥΨΟΥΣ
ΠΑΥΛΟΥ ΠΕΤΡΙΔΟΥ
ΔΟΥΚΟΣ ΜΕΓΑΛΟΥ ῬΩΣΣΙΑΣ
ΜΕΤΑ ΤΗΣ
ΓΑΛΗΝΟΤΑΤΗΣ ΛΑΝΔΓΡΑΒΗΔΟΣ ΔΑΡΜΣΤΑΔ
ΝΑΤΑΛΗΣ ΑΛΕΞΙΕΒΝΗΣ

Παρά

ἘΥΓΕΝΙΟΥ

Ἱεροδιακόνου τῆ Βελγάρων Δωροφορῆα Γαμήλιου.



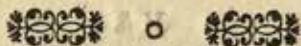
Κατὰ τὸ αψογ. Σεπτεμβρίου κθ.

НА
ЩАСТЛИВОЕ БРАКОСОЧЕТАНІЕ
ИХЪ ИМПЕРАТОРСКИХЪ
ВЫСОЧЕСТВЪ
БЛАГОВѢРНАГО ГОСУДАРЯ ЦЕСАРЕВИЧА
и Великаго Князя
ПАВЛА ПЕТРОВИЧА
и
БЛАГОВѢРНЫЯ ГОСУДАРЫНИ
и Великой Княгини
НАТАЛИИ АЛЕКСѢВНЫ
брачное дароприношеніе,
отъ Іеродіакона Евгенія Булгара.



Сентября 29 дня, 1773 года

Въ Санктпетербургѣ



Εἰπ' ΑΘΑΝΑ πότνια· Κλύτε Μῆσαι.
 Φοινίκων μὴ ἔρνεα, μηδὲ δάφνης,
 Τόφρ' Ἀριστεύσσι δρέπεθ' ἀγαυοῖς,
 Τερμοφόντησι κρατεροῖσι Ῥώσοις.
 Οὐδ' ὄνωλαι ἀμβολίης ἐσαῖθε.
 Τυτθὸν ἀνδέσθαι τόδε, τυτθὸν ὄσον,
 Καυρὸν ἐς ἄλλον.

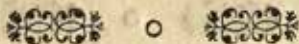
Νῦν δὲ λειμῶνας πέρι ἐγκονᾶσαι,
 Σπόδεθ' ἔρπειν, ἀνθεμόεντας ἔσω·
 Ἔνθα λόβκον λείριον ἐκλέδηλεν,
 Ἔνθα τ' ἔυπνην κυανόχρωον Ἰόντῃ,
 Ἔνθα τερπνὸς νάρκισσος, ἐνθ' ἐρβυθὲς
 Ἄνθεσ' ἐν ῥόδον γανόει φέρισον,
 Ἄνθος ἐρώντων.

Τοῖσιν ὀπλέκεις νέσασαι σεφήνας,
 Στέλματ' ἄρ καρήασιν ὀλβίοισι,
 Νύμφῃ ἄρσαι, παρθενικῶν γε Κέρων,
 Διογεννέων Βασιληῶντε,
 Εἶδος ἀγλαῶν, Φυλῶ τ' ἀρίσων,
 Πορφυρανδέτῃ γενεῇφι ΠΑΥΛΟΥ,
 ΝΑΤΑΛΙΗΣ τε.

Въ сей день возвысила Паллада къ Музамъ гласъ:
 Ни пальмъ, ни лавровъ вы не прогайте въ сей часъ
 Для побѣдителей надъ гордою луной;
 Не будете за то презрѣнны Вы судьбой,
 Чшо, малое шеперь медлѣнне приемля,
 Почтете оными преславно Россовъ племя,
 Въ другое время.

А нынѣ на луга Вы свой прострите ходъ,
 И зрите, гдѣ на нихъ цвѣтовъ избранный родъ;
 Гдѣ бѣлый сельный кринъ, гдѣ Іяцинтъ растетъ,
 Гдѣ благовонный Нардъ съ Нарциссами цвѣшетъ,
 И гдѣ всѣхъ красоша цвѣтовъ въ поляхъ блестящихъ,
 Багрѣшетъ роза межъ купинъ шамъ дебрь красящихъ;
 Милъ цвѣшъ любящихъ!

Прекрасны брачныя вѣнки шамъ сплешши Вы
 Надѣньте оныя на счастливы главы,
 И обложите сихъ пріятностью пленицъ
 Здѣсь брачную чешу порфирородныхъ лицъ
 Цвѣшущихъ красотой и духа лѣпошю,
 О! сколь НАТАЛІЯ и ПАВЕЛЪ межъ собою
 Подобны шюю.



Ὡδε ΠΑΛΛΑΣ. Αἰ δὲ μάλ' ὤκα Μῆσαι,
 Ἔρπον, ἄλλη ἄλλοθεν, ἐκλέγασαι,
 Ἄνθεων ὅσ' ἀγλαὰ ἔς' αἴψα·
 Σῴτε πλέξαν λειριόεντα κόσμον,
 Τῶκεν ἀμφισέψασαι κυδρόωσι,
 Ζεῦγος ὑψίζούκλον ἐρίκλυτόντε
 Προσφατανύμφων.

Δούξ Κράτις ὡς τρεῖς Χάριτας κατεῖδες,
 Ἐυρωώμης ΛΑΝΔΓΡΑΒΙΗΣ Οὐγατρας,
 Κάλλος ἐξίσσης ἐρατὰς περ ἕσας,
 Οὐδὲ βαιὸν φράζεο, Τάν ἔλοιο!
 Τάν μέσαν δ' ἄρ' ἀντίηα δεῖν ἐλέσθαι
 Εὖ μάλ' ἔγνωσ. Ἄδ' ἀρετὰ ἔσι μέσσα.
 Νῆ ΘΑΛΙΗΝ γε.

Τῇ δὲ κἀντῇ ἡμερος ἐντέτηκται,
 Ἐν γλυκὺς σῆθεσφιν ἐοῖς ἀγνοῖσι,
 Νόσφ' ἐῖ λαοῖο ἀποσημαγυῖαν,
 Οἷς τ' ἔφου, ξὺν οἷς τε τράφη λιπέσθαι,
 Καί Πατρῶϊων λελαθέσθαι οἴων,
 Ὡς Σύγ' ἐς πόθον Βασιλόβτατ' ἦλθες
 Κάλλεος Ἀυτῆς.

Сии Паллада лишь могла сказать слова,
 Какъ Музы вдругъ спѣша на злачные луга
 Сбирали щцашельно прекрасные цвѣшы,
 И сельныя сии соплеши красомы
 украсишь щцилися шамъ вѣ радосшной судбинѣ
 Счешанныхъ сѣ высомы вѣ счасливѣйшей годинѣ
 Супруговъ нынѣ.

Когда шрехъ Грацій Ты Россійскій младъ Орелъ
 Премудрой западной Евриномы узрѣлъ,
 Прекрасныхъ младосшыю, прекраснѣйшихъ душой,
 Ни мало вѣ выборѣ духъ не умедлилъ Твой.
 Ты рекъ: какъ бышь должна вѣ срединѣ добродѣшель,
 То средней Талии я буду вѣ вѣкъ любитель.
 Будь свѣтъ Мнѣ зритель.

Тожъ непорочная любовь вложила вдругъ
 И вѣ цѣломудренной Ея желаній духъ,
 Чшо вѣ дальный край пошла оставя свой народъ,
 Предѣлы рождшія и весь любезный родъ;
 Забыла домъ ошца и бышь здѣсь восхоѣла,
 Ея, какъ царска вѣшьвь пространнаго предѣла,
 Здѣсь вожделѣла.

Здѣсь

Εἰς ἄρ', ἐκ δοιῆς Φλογός, ὤρτο πυρσός,
 Εἰς μίαν, δύο κραδίας τετήκων·
 Πυρσός ἔτ' ἔργον Χθονίᾳ Ἐρωτος,
 Ὅυτε μὴ αὖ Κύπριδος ἀφροτίκτι·
 Θατέρας δ' ἦν Οὐρανίῳ καλεῦμεν.
 Οἶον ὑψόθ' ἤγαγεν ὁ Προμηθεύς,
 Πῦρ τότε τοῖον.

Πῦρ τόδ' εἰς ἀπείρονα Ἑωσῆς Γᾶν,
 Σπινθαρὶγγων σφῶν μένος ἐκπροχεῦσον,
 Θαλπορῆς ἔης, Φάεός τε πλήσει,
 Ἐθνε' Ἀνδρῶν ἀκρίβια παλυγλώσων,
ΠΕΤΡΟΝ εὖ τ' ἄλλον, **ΝΑΤΑΛΙΣ** γε ἄλλη
 Ἐκλέκοι, μεγήριτα δῶ τε Τέκνα
ΔΟΥΚΙ Μεγίσω.

Εὖ τ' ἄροιο ἀγκαλίδεσιν αἰθεραῖς,
 Σῆσι Μῆτερ θροῦνάουσα πότνα,
 Ἄυτοκράντειδ' **ΑΙΚΑΤΕΡΙΝΑ** δια·
 Εὖ τ' ἄροιο, καμφιπεριπλακείης
 Παιδα Παιδός. **ΠΕΤΡΙΔΕΩΝ** Ἀνάκτων
 Σπέρμα, ἐς διαμπερὲς εἰσέπειλα
 Ὅυποτε λῆξον.

